मूलभूत शिक्षा

मसीही चरित्र का विकास

पाठ 6: बुद्धि और आत्म–संयम

यीशु ने बताया कि कैसे उनके पीछे चलना संकरा मार्ग से होकर जाना है। हम कल्पना कर सकते हैं कि यह मार्ग दो खेतों के बीच से सुरक्षित होकर जाता है, जो दिखने में सुखद और आकर्षित मार्ग है, लेकिन वो फंदों से भरा हुआ है और हमारी प्रगति को रोक देता है। सदगुण यही है– विनाश की ओर ले जाने वाली अति के बीच का केन्द्र है। बुद्धि और आत्म–संयम को स्रोत के बारे सीखने के लिए आगे पढ़े।

बुद्धि और आत्मा–संयम का स्रोत परमेश्वर की सत्यता है। जब हमारे पास सच्चा विश्वास और उस विश्वास के अनुसार कार्य कहते हैं हम बुद्धि और आत्म–संयम को पाते हैं। इनके बिना, हमारा जीवन मूर्खता भरे खतरें और दुखद गलतियों से भरा रहेंगा।

''जिसकी आत्मा वश में नहीं वह ऐसे नगर के समान है जिसकी शहरपनाह घेराव करके तोड़ दी गई हो।''
नीतिवचन 25:28

वे जवान युवक परमेश्वर के चरित्र से भरे हुए थे, जो कि उनके चुनावों के द्वारा प्रमाणित होता है। वे आराम की सुरक्षित ज़िन्दगी जीने की बजाये बुद्धिमानी और आत्म–संयम का चुनाव करते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि चरित्र वो है जब आपको कोई देख नहीं रहा होता। ये ऐसा है जैसे आप घर से दूर है, आपका परिवार, आपकी कलीसिया या दोस्त नहीं देख सकते कि आप कैसे व्यवहार कर रहें हैं। क्या आप परमेश्वर की सच्चाई की उपेक्षा कर स्वार्थ या आत्म–विनाश के मार्ग पर चल रहें हैं? समुदाय हम सब को सबसे बेहतर बनने में मदद करता है। लेकिन हमारे जीवन के अंत में, हमें निजी रुप से अपने कामों का हिसाब देना होगा, क्योंकि हम ही अंत में अपने आचरण और चरित्र के ज़िम्मेदार हैं।

दानियेल, शद्रक, मेशक और अबेदनगो बाइबल में चार युवक हैं जो अपने देश से बंदी बनाकर ले जाने के बाद, जीवन में खतरा आने पर भी उल्लेखनीय रुप से अपनी बुद्धि और आत्म–संयम का प्रदर्शन करते हैं! उनकी कहानी दानियेल अध्याय 1 से 3 में पाते हैं।

कल्पना कीजिए आपको आपके माता–पिता के घर से ऐसे स्थान पहुंचा दिया जाये, जहां पर कोई आपकी भाषा नहीं जानता, रिवाज भिन्न है और कोई भी परमेश्वर को नहीं जानता। आप हर मोड़ पर अपने बंधक बनाने वालों के समान कार्य करने, उनके समान जीने और उनके देवी–देवताओं मानने की परिक्षा में पड़ेंगे। आप क्या करेंगे? उन दिनों में जब इस्राएल बेबीलोन के बंधुवाई में गये, कई नौजवान युवकों को राजा के महल में प्रशिक्षण के लिए ले जाया गया ताकि वे वहां पर देखरेख और शासन का कार्य कर सकें। उन्हें वहां बेबीलोन की भाषा, जीवनशैली और रिवाजों को सिखाया गया ताकी वे अपने पुरानी जड़ को भूल जाये और केवल बेबीलोन साम्राज्य को बढ़ाये। ये चार युवक उन में से एक थे।

वे जवान युवक परमेश्वर के चरित्र से भरे हुए थे, जो कि उनके चुनावों के द्वारा प्रमाणित होता है। वे आराम की सुरक्षित ज़िन्दगी जीने की बजाये बुद्धिमानी और आत्म–संयम का चुनाव करते हैं। जब राजा के स्वयं के स्वादिष्ट (यहूदी के लिए अशुद्ध) भोजन को उन्हें खाने के लिए दिया जाता है, तब दानियेल और उसके दोस्त उसका इंकार करते हैं। वे केवल सब्ज़ी खाते हैं! परमेश्वर उनके निर्णय का आदर करते हैं और उन्हें बहुत अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। कल्पना कीजिए कितना अधिक आत्म–संयम की ज़रुरत पड़ी होगी उसे चुनने में जिससे वे जानते थे कि उनके परमेश्वर को महिमा मिलेगा! उनके माता–पिता उन्हें सही गलत सिखाने और अनुशासन के लिए उनके साथ नहीं थे, लेकिन वे वही चुनते हैं जो परमेश्वर के वचन अनुसार बुद्धिमानी का कार्य था।

दानियेल अनुशासन के साथ प्रार्थना करना चुनता है, तब भी जब परमेश्वर को प्रार्थना करना कानुन को तोड़ना हो गया था! वो दिन में तीन बार प्रार्थना करता, जहां उसे लोग परमेश्वर की आराधना करते देख सकते थे और वो मनुष्य से नहीं डरता था। दुष्टता भरा आदेश को मानने की बजाये वो बुद्धिमानी के साथ परमेश्वर को आदर देते हुए निर्णय लेता है। उसे मृत्युदण्ड़ मिलता है और उसे भूखे शेरों के आगे फेंक दिया जाता है।

लेकिन परमेश्वर दानियेल के जीवन को बचा लेते हैं, और राजा को मानना पड़ता है कि दानियेल का परमेश्वर ही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है।

अन्य हिब्रू लड़कें, शद्रक, मेशक, अबेदनगो, नबूकदनेस्सर के स्वरुप में बनाई गई मूर्ति के आगे दण्ड़वत करने से इंकार कर देते हैं। तब भी जब उन्हें जान को खतरा था, वे बुद्धिमानी के साथ परमेश्वर पर विश्वास को नहीं त्यागते। जब उन्हें तपती हुई आग की भट्टी में डाल दिया जाता है, परमेश्वर अपने स्वर्गदूतों को उन्हें बचाने के लिए भेजते हैं। राजा को मानना पड़ता है कि कोई देवता ऐसा नहीं कर सकता था जैसा उनके परमेश्वर ने किया है।

बुद्धि की चाह हर कोई करता है– जानना की क्या करना चाहिए या कहना चाहिए, परमेश्वर की इच्छा को समझ पाना, ताकि सही निर्णय ले सकें। परमेश्वर का वचन कहता है कि हम कैसे बुद्धिमान बन सकते हैं: हमें जानना चाहिए, विश्वास करना चाहिए और उसे प्रतिदिन जीवन में लागू करना चाहिए। हमें विश्वास करना चाहिए कि परमेश्वर की सच्चाई हमें बुद्धिमानी भरा चुनाव करने में मदद करेंगी, और हमें उन पर सारी बुद्धि के स्रोत के रुप में भरोसा रखना चाहिए (अपने ऊपर, अपनी भावना पर या संसारिक ज्ञान पर नहीं)।

हमें विश्वास करना चाहिए कि परमेश्वर की सच्चाई हमें बुद्धिमानी भरा चुनाव करने में मदद करेंगी, और हमें उन पर सारी बुद्धि के स्रोत के रुप में भरोसा रखना चाहिए (अपने ऊपर, अपनी भावना पर या संसारिक ज्ञान पर नहीं)।

आत्म–संयम बुद्धि से संबंधित है जो कि स्वाभाविक भावनाओं को मुर्खतापूर्ण चुनाव करने से रोकती है। पापमय आवेग से भरने की बजाये वो परमेश्वर की सहायता से सही और गलत का निर्णय लेती है। आत्म–संयम की आवश्यकता हमें परिक्षा के समय में सबसे अधिक पड़ती है। आत्मा–संयम के लिए हमें पाप से भागने, परमेश्वर की ओर मुड़ने की आवश्यकता है, और अन्य विश्वासियों के साथ मिलकर चलना है। इसके लिए अनुशासन और बुद्धिमानी पर आधारित निर्णय को लेने की आवश्यकता है।

जब हम यीशु मसीह के समान चरित्र के विकास की खोज करते हैं, तो हम बुद्धिमानी और आत्म–संयम के पीछे जाये।

समीक्षा

- बुद्धिमानी और आत्म–संयम के लिए परमेश्वर के वचन की आवश्यकता है जो कि बुद्धि और आत्मसंयम का स्रोत है, और हमें अपने पापमय आवेग पर नियंत्रण रखना चाहिए ताकि हम बुद्धि से भरा कार्य कर सकें।
- दानियेल की पुस्तक हमें बुद्धि और आत्म–संयम का अच्छा उदाहरण देती हैं। इन सदगुणों के लिए हमें संसारिक बुद्धि और आंनद से मुड़कर, परमेश्वर को आदर देना चाहिए।

आपके विचार

- आप कैसे बुद्धि को बिना घमंड या आत्म–बढ़ाई के अभिव्यक्त कर सकते हैं? प्रेम में बुद्धि का प्रयोग करना क्यों महत्वपूर्ण है?

- असल में आत्म–संयमी होने और केवल कानुन और व्यवस्था का पालन करने में क्या अंतर है? क्या व्यक्तिगत नियम की सूची बनाने से आप आत्म–नियंत्रित होते हैं?

- कब आप आसानी से परीक्षा में पड़ते हैं (अति असंयमी)? लोगों के लिए ये कभी भूख, थकान, प्यास, अकेलापन, बोरियत, या फिर डर होता है।

- आपके जीवन के किस क्षेत्र में आप आत्म–नियंत्रण को मुश्किल पाते हैं? किस क्षेत्र में आत्म–नियंत्रण को आसान पाते हैं? (विचार करेः पैसा खर्च करना, कामुक गतिविधियां, खाना, शरीर देखभाल, क्रोध पर नियंत्रण, असावधानी से बोलना, गपशप करना, झुठ, बेमानी से लाभ, आदि)

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें: www.discipleshipessentials.org/licensing